SAMPLE QUESTION PAPER - 4
SUBJECT- Hindi B (085)
CLASS IX (2023-24)

निर्धारित समय: 3 hours **अधिकतम अंक:** 80

सामान्य निर्देश:

- इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं - खंड 'अ' और 'ब'।
- खंड 'अ' में उपप्रश्नों सहित 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।
- दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड अ (वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

हरियाणा के पुरातत्त्व विभाग द्वारा किए गए अब तक के शोध और खुदाई के अनुसार लगभग 5500 हेक्टेयर में फैली यह राजधानी ईसा से लगभग 3300 वर्ष पूर्व मौजूद थी। इन प्रमाणों के आधार पर यह तो तय हो ही गया है कि राखीगढ़ी की स्थापना उससे भी सैकड़ों वर्ष पूर्व हो चुकी थी।
अब तक यही माना जाता रहा है कि इस समय पाकिस्तान में स्थित हड़प्पा और मोहनजोदड़ो ही सिंधुकालीन सभ्यता के मुख्य नगर थे। राखीगढ़ी गाँव में खुदाई और शोध का काम रुक-रुक कर चल रहा है। हिसार का यह गाँव दिल्ली से मात्र एक सौ पचास किलोमीटर की दूरी पर है। पहली बार यहाँ वर्ष 1963 में खुदाई हुई थी और तब से इसे सिंधु-सरस्वती सभ्यता का सबसे बड़ा नगर माना गया। उस समय के शोधार्थियों ने सप्रमाण घोषणाएँ की थीं कि यहाँ दबे नगर कभी मोहनजोदड़ो और हड़प्पा से भी बड़े रहे होंगे।
अब सभी शोध विशेषज्ञ इस बात पर सहमत हैं कि राखीगढ़ी, भारत-पाकिस्तान और अफ़गानिस्तान का आकार और आबादी की दृष्टि से सबसे बड़ा शहर था। प्राप्त विवरणों के अनुसार समुचित रूप से नियोजित इस शहर की सभी सड़कें 1.92 मीटर चौड़ी थीं। यह चौड़ाई कालीबंगा की सड़कों से भी ज्यादा है। एक ऐसा बर्तन भी मिला है, जो सोने और चाँदी की परतों से ढका है। इस स्थल पर एक 'फाउंड्री' के भी चिह्न मिले हैं, जहाँ संभवतः सोना ढाला जाता होगा।
इसके अलावा टैराकोटा से बनी असंख्य प्रतिमाएँ ताँबे के बर्तन और कुछ प्रतिमाएँ और एक 'फ़र्नेस' के अवशेष भी मिले हैं। मई, 2012 में 'ग्लोबल हैरिटेज फंड' ने इसे एशिया के दस ऐसे 'विरासत स्थलों' की सूची में शामिल किया है, जिनके नष्ट हो जाने का खतरा है।
राखीगढ़ी का पुरातात्त्विक महत्त्व विशिष्ट है। इस समय यह क्षेत्र पूरे विश्व के पुरातत्त्व विशेषज्ञों

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

की रुचि और जिज्ञासा का केंद्र बना हुआ है। यहाँ बहुत से काम बाकि हैं, जो अवशेष मिले हैं, उनका समुचित अध्ययन अभी शेष है। उत्खनन का काम अब भी अधूरा है।

(i) अब सिंधु-सरस्वती सभ्यता का सबसे बड़ा नगर किसे माने जाने की संभावनाएँ हैं?

क) मोहनजोदड़ो　　ख) राखीगढ़ी

ग) हड़प्पा　　घ) कालीबंगा

(ii) चौड़ी सड़कों से स्पष्ट होता है कि-

क) शहर नियोजित था　　ख) यातायात के साधन थे

ग) बड़ा शहर था　　घ) अधिक आबादी थी

(iii) इसे एशिया के **विरासत स्थलो** में स्थान मिला, क्योंकि-

क) सबसे विकसित संभ्यता है　　ख) नष्ट हो जाने का खतरा है

ग) इतिहास में इसका नाम सर्वोपरि है　　घ) यहाँ विकास की तीन परतें मिली हैं

(iv) निम्नलिखित में से प्रस्तुत गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक क्या होगा?

i. राखीगढ़ी: एक सभ्यता की संभावना
ii. सिंधु-घाटी सभ्यता
iii. विलुप्त सरस्वती की तलाश
iv. एक विस्तृत शहर राखीगढ़ी

क) विकल्प (ii)　　ख) विकल्प (iii)

ग) विकल्प (iv)　　घ) विकल्प (i)

(v) राखीगढ़ी का पुरातात्विक महत्व है क्योंकि-

i. समुचित रूप से नियोजित इस शहर की सड़कें चौड़ी थी
ii. यहाँ सोने-चाँदी की परतों से ढके हुए बर्तन थे
iii. एशिया के दस विरासत स्थलों में इसे शामिल किया गया है
iv. कालीबंगा की सड़कें अधिक चौड़ी थी

क) कथन i, ii व iii सही हैं　　ख) कथन ii, iii व iv सही हैं

ग) कथन i, ii व iv सही हैं　　घ) कथन ii सही है

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [5]

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

19 वीं शताब्दी में राष्ट्रीय चेतना का उद्भव वस्तुत: अंग्रेजी शासन का परिणाम था। अंग्रेजी शासन ने जो परिवर्तन आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में किए थे, उनके परिणामस्वरूप भारतीय जनता के सभी वर्गों का ही शोषण हुआ था, जिससे कि जनता के बीच असंतोष की भावना ने एक व्यापक रूप लिया। दूसरी तरफ अंग्रेजों ने डाक और तार व्यवस्था, रेल, छापेखाने, एकरूप प्रशासन आदि का विकास किया। यद्यपि इनका विकास एक सुचारु प्रशासन चलाने की दृष्टि से किया गया था तथापि इन सभी ने राष्ट्रीय चेतना के उद्भव में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

19वीं शताब्दी में एक राष्ट्रीय जागरण संपूर्ण भारत में किसी-न -किसी रूप में अभिव्यक्त हो रहा था, जिसमें भारतीयता के साथ आधुनिकता का संगम था। स्वामी विवेकानंद ने अमेरिका, इंग्लैंड आदि देशों से भारत लौटकर पूर्व और पश्चिम के श्रेष्ठ तत्वों के सम्मिलन से भारत को आधुनिक बनाने का स्वप्न देखा था। उन्होने माना कि भारत और पश्चिम की मूल गति एवं उद्देश्य भिन्न हैं, परंतु भारत को जगाना होगा, कुसंस्कारों एवं जाति-विद्वेष को त्यागना होगा, शिक्षित होकर देश की अशिक्षित एवं गरीब जनता को ही 'दरिद्रनारायण' मानकर उनकी सेवा करनी होगी, उनका उत्थान करना होगा।

विवेकानंद का मत था कि भारत में जो जितना दरिद्र है, वह उतना ही साधु है। यहाँ गरीबी अपराध एवं पाप नहीं है तथा दरिद्रों की अपेक्षा धनिकों को अधिक प्रकाश की जरूरत है। वे चाहते थे कि हम नीच, अज्ञानी, दरिद्र सभी को भाई मानें और गर्व से कहें-हम सब भाई भारतवासी हैं। मनुष्य को मानव बनाना, आदमी को इंसान बनाना आवश्यक है। हमें ऐसी शिक्षा चाहिए, जो हमें संस्कारी मानव, हमदर्द इंसान बना सके। विचारों में विवेकानंद गाँधीजी से अधिक दूर नहीं थे और ऐसे ही विचारकों का चिंतन 19 वीं सदी में भारत को उद्वेलित कर रहा था।

(i) संपूर्ण भारत में एक राष्ट्रीय जागरण किसी-न-किसी रूप में कब अभिव्यक्त हो रहा था?

क) उन्नीसवीं शताब्दी में

ख) अट्ठारहवीं शताब्दी में

ग) बीसवीं शताब्दी में

घ) सत्रहवीं शताब्दी में

(ii) विवेकानंद जी ने कौन-सा स्वप्न देखा था?

क) पूर्व व पश्चिम के श्रेष्ठ तत्त्वों के सम्मिलन से भारत को आधुनिक बनाने का

ख) भारत को सास्कृतिक तत्त्वों की ओर उन्मुख करने का

ग) भारत को ब्रिटिश शासन से स्वतंत्र कराने का

घ) भारत द्वारा पाश्चात्य संस्कृति का अंधानुकरण करने का

(iii) विवेकानंद जी के अनुसार किन्हें **दरिद्रनारायण** मानकर उनकी सेवा करनी होगी?

क) साधु और संतों की

ख) इनमें से कोई नहीं

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ग) देश की अशिक्षित व गरीब जनता की

घ) देश के शिक्षित नवयुवकों की

(iv) विवेकानंद जी का मत क्या था?

क) पाश्चात्य सभ्यता ही सभी सभ्यताओं की जननी है

ख) भारत में जो जितना दरिद्र है, वह उतना ही साधु है

ग) पाश्चात्य सभ्यता का अनुकरण करना ही श्रेष्ठ है

घ) भारत में गरीबी और अशिक्षा बहुत अधिक है

(v) **कथन (A):** विवेकानंद मनुष्य को मानव बनाना चाहते थे।
कारण (R): प्रत्येक देशवासी स्वयं के कुसंस्कारों को त्याग कर मानव बन सकता है।

क) (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।

ख) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

ग) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।

घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही असत्य हैं।

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [2]

(i) जिस शब्द के कई सार्थक खण्ड हो सके उन्हें क्या कहते है? [1]

क) रूढ़

ख) योगरूढ़

ग) यौगिक

घ) मिश्रित

(ii) विकारी शब्द कितने प्रकार के होते हैं? [1]

क) चार

ख) पाँच

ग) तीन

घ) दो

4. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:** [2]

(i) निम्नलिखित में से अशुद्ध अनुस्वार वाला शब्द चुने - [1]

क) गंगा

ख) अंगूठी

ग) अंगूर

घ) अंबा

(ii) निम्नलिखित शब्दों में से **अनुनासिक** के उचित प्रयोग वाला शब्द चुनिए- [1]
साँस, ठँडा, कँहां, ऊटँ

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

क) ठँडा ख) कँहां

ग) ऊटँ घ) साँस

(iii) निम्नलिखित में कौन-सा वर्ण पंचमाक्षर नहीं है? [1]

क) ञ ख) ण

ग) ङ. घ) य

5. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 4 के उत्तर दीजिये:** [4]

(i) **संपादकीय** शब्द में किस प्रत्यय का प्रयोग हुआ है? [1]

क) ईय ख) कीय

ग) य घ) किय

(ii) **आनंदित** शब्द में किस प्रत्यय का प्रयोग हुआ है? [1]

क) त ख) दित

ग) इत घ) आन्

(iii) **सच्चरित्र** शब्द में उपसर्ग है- [1]

क) सच ख) सत्

ग) स घ) सद्

(iv) **सद्गति** शब्द में किस उपसर्ग का प्रयोग हुआ है? [1]

क) सः ख) स

ग) सद् घ) सत्

(v) **अन** उपसर्ग से बना सही शब्द हैं- [1]

क) अनसुन्दर ख) अनिच्छुक

ग) अनेक घ) अनजान

6. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 3 के उत्तर दीजिये:** [3]

(i) भानु + उदय की संधि से बनेगा: [1]

क) भान्योदय ख) भानुउदय

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ग) भानूदय		घ) भानुदय

(ii) संधि का प्रकार बताइए- रजनीश [1]

क) व्यंजन संधि		ख) विसर्ग संधि

ग) स्वर संधि		घ) दिर्घीकरण

(iii) उचित संधि विच्छेद चुनिए- अद्यैव [1]

क) अधि + एव		ख) अद्य + एव

ग) अधे + एव		घ) अद्यम् + एव

(iv) उचित संधि विच्छेद चुनिए- मुखोपाध्याय [1]

क) मुखोप + अध्याय		ख) मुख्य + पध्याय

ग) मुख + उपाध्याय		घ) मुखप + अध्याय

7. **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्ही तीन में उपयुक्त विराम चिह्नों का प्रयोग कीजिए-** [3]

i. सती उसे माथे से योद्धा उसे आँखों से लगाता है

ii. धूल धूलि धूली धूरि आदि की व्यंजनाएँ अलग-अलग है

iii. अभी तो उन्होंने अटूट होने का ही प्रमाण दिया है हीरा वही धन चोट न टूटे।

iv. सुरक्षाकर्मी ने कहा अरे तुम यहाँ कैसे चले आए

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:** [2]

(i) किस वाक्य के माध्यम से हम अपने भावों को प्रकट करते हैं? [1]

क) इच्छावाचक वाक्य		ख) सरल वाक्य

ग) विस्मयादिबोधक वाक्य		घ) संकेतवाचक वाक्य

(ii) यह वाक्य किस वाक्य का उदाहरण है- तुम अपना काम करो। [1]

क) प्रश्नवाचक वाक्य		ख) संकेतवाचक वाक्य

ग) विधिवाचक वाक्य		घ) आज्ञावाचक वाक्य

(iii) सारा आँगन नृत्य और संगीत से ओतप्रोत है ! -अर्थ के आधार पर वाक्य भेद बताएं । [1]

क) प्रश्नवाचक वाक्य		ख) विस्मयादिवाचक वाक्य

ग) संकेतवाचक वाक्य		घ) निषेधवाचक वाक्य

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [5]

उभरी नसोंवाले हाथ
घिसें नाखूनों वाले हाथ
पीपल के पत्ते-से नए-नए हाथ
जूही की डाल-से खुशबूदार हाथ
गंदे कटे-पिटे हाथ
जख्म से फटे हुए हाथ
खूशबू रचते हैं हाथ
खुशबू रचते हैं हाथ।

(i) प्रस्तुत पद्यांश में कवि ने क्या वर्णित किया है?

क) मजदूरों की शारीरिक व मार्मिक स्थिति को
ख) पीपल के वृक्ष की शाखाओं को
ग) जानवरों के नाखूनों के आकार को
घ) सुगंध देने वाले कोमल फूलों को

(ii) दूसरों के जीवन में सुगंध फैलाने वाले हाथ किसके हैं?

क) सभी विकल्प सही हैं
ख) नवयुवतियों के
ग) नन्हें बच्चों के
घ) बूढ़े लोगों के

(iii) विपरीत परिस्थितियों के बावजूद भी मजदूर क्या करते हैं?

क) परिवार से रिश्ता तोड़ देते हैं
ख) मजदूरी करना छोड़ देते हैं
ग) अपना कार्य जारी रखते हैं
घ) जीवन जीना छोड़ देते हैं

(iv) कामों के बोझ के कारण मजदूरों के हाथ कैसे हो गए हैं?

क) कटे हुए
ख) सभी विकल्प सही हैं
ग) छाव वाले
घ) गंदे

(v) खुशबूदार वस्तुओं की रचना करने वाले लोग किन परिस्थितियों में जीवन जीते हैं?

क) निम्न जीवन की परिस्थितियों में
ख) उत्कृष्ट जीवन की परिस्थितियों में
ग) सामान्य जीवन की परिस्थितियों में
घ) वीभत्स जीवन की परिस्थितियों में

10. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [2]

(i) रहीम ने प्रेम के बंधन को किसकी तरह कहा है? [1]

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

क) सूत　　　　　　　　　　ख) डोरी

ग) धागे　　　　　　　　　　घ) तार

(ii) कवि रैदास ने 'गरीब निवाज़' किसे कहा है ? **[1]**

क) मंदिर को　　　　　　　　ख) पंडित को

ग) भगवान् को　　　　　　　घ) भक्त को

11. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

उस दिन जब तुम आए थे, मेरा हृदय किसी अज्ञात आशंका से धड़क उठा था। अंदर-ही-अंदर कहीं मेरा बटुआ काँप गया। उसके बावजूद एक स्नेह-भीगी मुस्कुराहट के साथ मैं तुमसे गले मिला था और मेरी पत्नी ने तुम्हें सादर नमस्ते की थी। तुम्हारे सम्मान में ओ अतिथि, हमने रात के भोजन को एकाएक उच्च-मध्यम वर्ग के डिनर में बदल दिया था। तुम्हें स्मरण होगा कि दो सब्जियों और रायते के अतिरिक्त हमने मीठा भी बनाया था। इस सारे उत्साह और लगन के मूल में एक आशा थी। आशा थी कि दूसरे दिन किसी रेल से एक शानदार मेहमाननवाजी की छाप अपने हृदय में ले तुम चले जाओगे। हम तुमसे रुकने के लिए आग्रह करेंगे, मगर तुम नहीं मानोगे और एक अच्छे अतिथि की तरह चले जाओगे। पर ऐसा नहीं हुआ!

(i) लेखक का बटुआ अंदर-ही-अंदर काँप गया। इसका क्या कारण था?

क) लेखक के पास पैसे नहीं थे　　　ख) लेखक के हाथ काँप रहे थे

ग) लेखक पैसे जोड़ना चाहता था　　घ) लेखक का बजट गड़बड़ाने वाला था

(ii) लेखक ने पहले दिन अतिथि की मेहमाननवाजी कैसे की थी?

क) साधारण-सा भोजन बनाकर　　　ख) अनमने मन से बेरुखी के साथ

ग) अपने बजट के अनुसार　　　　　घ) अपनी हैसियत से बढ़कर अच्छे-अच्छे व्यंजन बनाकर

(iii) लेखक द्वारा अतिथि का सत्कार उत्साहपूर्ण ढंग से करने के पीछे क्या आशा थी?

क) लेखक अतिथि को केवल खुश करना चाहता था।　　ख) लेखक ने सोचा कि अगले दिन अतिथि वापस चला जाएगा।

ग) लेखक अपने परिवार के समक्ष उसको सम्मान देना चाहता था।　　घ) लेखक अतिथि के सामने अपनी साख बनाना चाहता था।

(iv) रात के भोजन को उच्च-मध्यम वर्ग के डिनर में क्यों बदला गया?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

क) अतिथि का सम्मान करने के लिए | ख) दिखावा करने के लिए

ग) धन का अतिरिक्त व्यय करने के लिए | घ) स्वयं को सभ्य प्रस्तुत करने के लिए

(v) लेखक अतिथि से रुकने के लिए आग्रह करने पर क्या मंशा लिए बैठा था?

क) अतिथि लेखक का आग्रह स्वीकार कर लेगा | ख) अतिथि रुक जाएगा

ग) अतिथि लेखक की सोच के विपरीत कार्य करेगा | घ) अतिथि नहीं मानेगा और चला जाएगा

12. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[2]**

(i) " शुक्र तारे के समान " पाठ के आधार पर 'नवजीवन साप्ताहिक' कहाँ से निकलता था ? **[1]**

क) मुंबई से | ख) वर्धा से

ग) अहमदाबाद से | घ) पंजाब से

(ii) बछेंद्री व उनका दल कैंप-2 पर कब पहुंचा ? एवरेस्ट : मेरी शिखर यात्रा पाठ के अनुसार बताइए । **[1]**

क) 23 मई प्रातः 8 बजे | ख) 16 अप्रैल प्रातः 8 बजे

ग) इनमें से कोई नहीं | घ) 16 मई प्रातः 8 बजे

खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

13. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:** **[6]**

(i) हिमस्खलन से कितने लोगों की मृत्यु हुई और कितने घायल हुए? **एवरेस्ट : मेरी शिखर यात्रा** पाठ के आधार पर बताइए। **[3]**

(ii) **दुःख का अधिकार** पाठ में लड़के को बचाने के लिए बुढ़िया माँ ने क्या-क्या उपाय किए? **[3]**

(iii) जलियाँवाला बाग में कौन-सी घटना हुई थी? जानकारी एकत्रित कीजिए। **[3]**

14. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:** **[6]**

(i) एक को साधने से सब कैसे सध जाता है? रहीम के दोहे के आधार पर लिखिए। **[3]**

(ii) रैदास दूसरे पद में कवि ने **गरीब निवाजु** किसे कहा है? स्पष्ट कीजिए। **[3]**

(iii) कवि ने अग्निपथ शब्द किसके प्रतीक स्वरूप प्रयोग किया है? **[3]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

15. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:** [6]

(i) **गिल्लू एक संवेदनशील प्राणी है**- सिद्ध कीजिए। [3]

(ii) फल तो किसी दूसरी शक्ति पर निर्भर है -**स्मृति** पाठ के संदर्भ में इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। [3]

(iii) लेखक **धर्मवीर भारती** ने अपने पिता से किया हुआ वायदा किस तरह निभाया? इससे आपको क्या सीख मिलती है? [3]

16. **आज की बचत कल का सुख** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। [6]

- बचत का अर्थ एवं स्वरूप
- दुःखदायक स्थितियों में बचत का महत्त्व
- वर्तमान और भविष्य को सुरक्षित करना

अथवा

अपनी मातृभाषा विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- मातृभाषा का अर्थ
- मातृभाषा की विशेषताएँ
- मातृभाषा का महत्त्व

अथवा

गाँवों की बदलती तस्वीर विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।

- रहन-सहन का स्तर
- शिक्षा और आधुनिकता
- भविष्य की संभावनाएँ

17. कुछ ही समय पूर्व सम्पन्न हुए विधानसभा चुनाव में आपके मौसाजी विधानसभा का चुनाव जीत गए हैं। क्षेत्र के मतदाताओं की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की कामना करते हुए उन्हें बधाई-पत्र लिखिए। [6]

अथवा

आपका छोटा भाई अभिषेक परीक्षा में नकल करता पकड़ा गया, जिसके लिए उसे दंडित किया गया। उसे समझाते हुए पत्र लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

18. दिए गए चित्र को देखकर लगभग 100 शब्दों में वर्णन कीजिए। **[5]**

19. दो छात्रों के बीच ग्रीष्मावकाश के विषय में होने वाले संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए। **[5]**

अथवा

दुकानदार और ग्राहक के बीच चीनी खरीदने को लेकर होने वाले संवाद को लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answers

खंड अ (वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

हरियाणा के पुरातत्त्व विभाग द्वारा किए गए अब तक के शोध और खुदाई के अनुसार लगभग 5500 हेक्टेयर में फैली यह राजधानी ईसा से लगभग 3300 वर्ष पूर्व मौजूद थी। इन प्रमाणों के आधार पर यह तो तय हो ही गया है कि राखीगढ़ी की स्थापना उससे भी सैकड़ों वर्ष पूर्व हो चुकी थी।

अब तक यही माना जाता रहा है कि इस समय पाकिस्तान में स्थित हड़प्पा और मोहनजोदड़ो ही सिंधुकालीन सभ्यता के मुख्य नगर थे। राखीगढ़ी गाँव में खुदाई और शोध का काम रुक-रुक कर चल रहा है। हिसार का यह गाँव दिल्ली से मात्र एक सौ पचास किलोमीटर की दूरी पर है। पहली बार यहाँ वर्ष 1963 में खुदाई हुई थी और तब से इसे सिंधु-सरस्वती सभ्यता का सबसे बड़ा नगर माना गया। उस समय के शोधार्थियों ने सप्रमाण घोषणाएँ की थीं कि यहाँ दबे नगर कभी मोहनजोदड़ो और हड़प्पा से भी बड़े रहे होंगे।

अब सभी शोध विशेषज्ञ इस बात पर सहमत हैं कि राखीगढ़ी, भारत-पाकिस्तान और अफ़गानिस्तान का आकार और आबादी की दृष्टि से सबसे बड़ा शहर था। प्राप्त विवरणों के अनुसार समुचित रूप से नियोजित इस शहर की सभी सड़कें 1.92 मीटर चौड़ी थीं। यह चौड़ाई कालीबंगा की सड़कों से भी ज्यादा है। एक ऐसा बर्तन भी मिला है, जो सोने और चाँदी की परतों से ढका है। इस स्थल पर एक 'फाउंड्री' के भी चिह्न मिले हैं, जहाँ संभवतः सोना ढाला जाता होगा। इसके अलावा टैराकोटा से बनी असंख्य प्रतिमाएँ ताँबे के बर्तन और कुछ प्रतिमाएँ और एक 'फ़र्नेस' के अवशेष भी मिले हैं। मई, 2012 में 'ग्लोबल हैरिटेज फंड' ने इसे एशिया के दस ऐसे 'विरासत स्थलों' की सूची में शामिल किया है, जिनके नष्ट हो जाने का खतरा है।

राखीगढ़ी का पुरातात्त्विक महत्त्व विशिष्ट है। इस समय यह क्षेत्र पूरे विश्व के पुरातत्त्व विशेषज्ञों की रुचि और जिज्ञासा का केंद्र बना हुआ है। यहाँ बहुत से काम बाकि हैं, जो अवशेष मिले हैं, उनका समुचित अध्ययन अभी शेष है। उत्खनन का काम अब भी अधूरा है।

(i) **(ख)** राखीगढ़ी

व्याख्या: हरियाणा के पुरातत्त्व विभाग द्वारा किए गए शोध तथा खुदाई के अनुसार लगभग 5500 हेक्टेयर में फैली ईसा से लगभग 3300 वर्ष मौजूद राखीगढ़ी के सिंधु- सरस्वती सभ्यता का सबसे बड़ा नगर होने की संभावना है।

(ii) **(क)** शहर नियोजित था

व्याख्या: गद्यांश के अनुसार राखीगढ़ी में चौड़ी सड़कों के पाए जाने से स्पष्ट होता है कि यह शहर नियोजित था। इसकी सड़कों की चौड़ाई 1.92 मीटर थी।

(iii) **(ख)** नष्ट हो जाने का खतरा है

व्याख्या: मई, 2012 में राखीगढ़ी को 'ग्लोबल हैरिटेज फंड' ने एशिया के विरासत स्थलों में शामिल किया है, क्योंकि इसके नष्ट हो जाने का खतरा है।

(iv) **(ग)** विकल्प (iv)

व्याख्या: प्रस्तुत गद्यांश में हरियाणा के हिसार जिले में खुदाई में मिले राखीगढ़ी शहर पर

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रकाश डाला गया है, इसलिए इसका उपयुक्त शीर्षक 'एक विस्तृत शहर राखीगढ़ी' होगा।

(v) **(क)** कथन i, ii व iii सही हैं

व्याख्या: कथन i, ii व iii सही हैं

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

19 वीं शताब्दी में राष्ट्रीय चेतना का उद्भव वस्तुत: अंग्रेजी शासन का परिणाम था। अंग्रेजी शासन ने जो परिवर्तन आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में किए थे, उनके परिणामस्वरूप भारतीय जनता के सभी वर्गों का ही शोषण हुआ था, जिससे कि जनता के बीच असंतोष की भावना ने एक व्यापक रूप लिया। दूसरी तरफ अंग्रेजों ने डाक और तार व्यवस्था, रेल, छापेखाने, एकरूप प्रशासन आदि का विकास किया। यद्यपि इनका विकास एक सुचारु प्रशासन चलाने की दृष्टि से किया गया था तथापि इन सभी ने राष्ट्रीय चेतना के उद्भव में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

19वीं शताब्दी में एक राष्ट्रीय जागरण संपूर्ण भारत में किसी-न -किसी रूप में अभिव्यक्त हो रहा था, जिसमें भारतीयता के साथ आधुनिकता का संगम था। स्वामी विवेकानंद ने अमेरिका, इंग्लैंड आदि देशों से भारत लौटकर पूर्व और पश्चिम के श्रेष्ठ तत्वों के सम्मिलन से भारत को आधुनिक बनाने का स्वप्न देखा था। उन्होने माना कि भारत और पश्चिम की मूल गति एवं उद्देश्य भिन्न हैं, परंतु भारत को जगाना होगा, कुसंस्कारों एवं जाति-विद्वेष को त्यागना होगा, शिक्षित होकर देश की अशिक्षित एवं गरीब जनता को ही 'दरिद्रनारायण' मानकर उनकी सेवा करनी होगी, उनका उत्थान करना होगा।

विवेकानंद का मत था कि भारत में जो जितना दरिद्र है, वह उतना ही साधु है। यहाँ गरीबी अपराध एवं पाप नहीं है तथा दरिद्रों की अपेक्षा धनिकों को अधिक प्रकाश की जरूरत है। वे चाहते थे कि हम नीच, अज्ञानी, दरिद्र सभी को भाई मानें और गर्व से कहें-हम सब भाई भारतवासी हैं। मनुष्य को मानव बनाना, आदमी को इंसान बनाना आवश्यक है। हमें ऐसी शिक्षा चाहिए, जो हमें संस्कारी मानव, हमदर्द इंसान बना सके। विचारों में विवेकानंद गाँधीजी से अधिक दूर नहीं थे और ऐसे ही विचारकों का चिंतन 19 वीं सदी में भारत को उद्वेलित कर रहा था।

(i) **(क)** उन्नीसवीं शताब्दी में

व्याख्या: उन्नीसवीं शताब्दी में

(ii) **(क)** पूर्व व पश्चिम के श्रेष्ठ तत्त्वों के सम्मिलन से भारत को आधुनिक बनाने का

व्याख्या: पूर्व व पश्चिम के श्रेष्ठ तत्त्वों के सम्मिलन से भारत को आधुनिक बनाने का

(iii) **(ग)** देश की अशिक्षित व गरीब जनता की

व्याख्या: देश की अशिक्षित व गरीब जनता की

(iv) **(ख)** भारत में जो जितना दरिद्र है, वह उतना ही साधु है

व्याख्या: भारत में जो जितना दरिद्र है, वह उतना ही साधु है

(v) **(क)** (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।

व्याख्या: (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

(i) **(ग)** यौगिक

व्याख्या: यौगिक

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ii) **(क)** चार

व्याख्या: विकारी शब्द चार प्रकार के होते हैं -

i. संज्ञा
ii. सर्वनाम
iii. विशेषण
iv. क्रिया

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:

(i) **(ख)** अंगूठी

व्याख्या: अंगूठी, शुद्ध =-अँगूठी

(ii) **(घ)** साँस

व्याख्या: साँस

(iii) **(घ)** य

व्याख्या: य वर्ण पंचमाक्षर नहीं है। वर्गों के पाँचवें वर्ण को पंचमाक्षर कहा जाता है। शब्द में इनके स्थान पर ही अनुस्वार या बिंदु (ं) का प्रयोग होता है।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 4 के उत्तर दीजिये:

(i) **(क)** ईय

व्याख्या: संपादक + ईय

(ii) **(ग)** इत

व्याख्या: इत

(iii) **(ख)** सत्

व्याख्या: सत्

(iv) **(घ)** सत्

व्याख्या: सत् + गति

(v) **(घ)** अनजान

व्याख्या: अनजान

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 3 के उत्तर दीजिये:

(i) **(ग)** भानूदय

व्याख्या: भानूदय

(ii) **(ग)** स्वर संधि

व्याख्या: स्वर संधि

(iii) **(ख)** अद्य + एव

व्याख्या: अद्य + एव

(iv) **(ग)** मुख + उपाध्याय

व्याख्या: मुख + उपाध्याय

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

7. i. सती उसे माथे से, योद्धा उसे आँखों से लगाता है।
ii. धूल, धूलि, धूली, धूरि आदि की व्यंजनाएँ अलग-अलग है।
iii. अभी तो उन्होंने अटूट होने का ही प्रमाण दिया है, 'हीरा वही धन चोट न टूटे'।
iv. सुरक्षाकर्मी ने कहा, "अरे! तुम यहाँ कैसे चले आए?"

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:

(i) **(ग)** विस्मयादिबोधक वाक्य
व्याख्या: जिस वाक्य के माध्यम से हम अपने भावों को प्रकट करते हैं, उसे विस्मयादिबोधक वाक्य कहते हैं। उदाहरण:- तुमने तो बहुत अच्छा काम किया।

(ii) **(घ)** आज्ञावाचक वाक्य
व्याख्या: जिस वाक्य के माध्यम से किसी आज्ञा का बोध हो, उसे आज्ञावाचक वाक्य कहते हैं। प्रस्तुत वाक्य आज्ञावाचक वाक्य का उदाहरण है।

(iii) **(ख)** विस्मयादिवाचक वाक्य
व्याख्या: प्रस्तुत वाक्य में विस्मय का भाव है ।

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

उभरी नसोंवाले हाथ
घिसें नाखूनों वाले हाथ
पीपल के पत्ते-से नए-नए हाथ
जूही की डाल-से खुशबूदार हाथ
गंदे कटे-पिटे हाथ
जख्म से फटे हुए हाथ
खूशबू रचते हैं हाथ
खुशबू रचते हैं हाथ।

(i) **(क)** मजदूरों की शारीरिक व मार्मिक स्थिति को
व्याख्या: मजदूरों की शारीरिक व मार्मिक स्थिति को

(ii) **(क)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या: सभी विकल्प सही हैं

(iii) **(ग)** अपना कार्य जारी रखते हैं
व्याख्या: अपना कार्य जारी रखते हैं

(iv) **(ख)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या: सभी विकल्प सही हैं

(v) **(घ)** वीभत्स जीवन की परिस्थितियों में
व्याख्या: वीभत्स जीवन की परिस्थितियों में

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

(i) **(ग)** धागे
व्याख्या: रहीम ने प्रेम के बंधन को धागे की तरह बताया है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ii) **(ग)** भगवान् को
व्याख्या: रैदास ने ईश्वर को 'गरीब निवाज़ु' इसलिए कहा है क्योंकि वह गरीबों का उद्धार करते हैं।

11. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
उस दिन जब तुम आए थे, मेरा हृदय किसी अज्ञात आशंका से धड़क उठा था।
अंदर-ही-अंदर कहीं मेरा बटुआ काँप गया। उसके बावजूद एक स्नेह-भीगी मुस्कुराहट के साथ मैं तुमसे गले मिला था और मेरी पत्नी ने तुम्हें सादर नमस्ते की थी। तुम्हारे सम्मान में ओ अतिथि, हमने रात के भोजन को एकाएक उच्च-मध्यम वर्ग के डिनर में बदल दिया था। तुम्हें स्मरण होगा कि दो सब्जियों और रायते के अतिरिक्त हमने मीठा भी बनाया था। इस सारे उत्साह और लगन के मूल में एक आशा थी। आशा थी कि दूसरे दिन किसी रेल से एक शानदार मेहमाननवाजी की छाप अपने हृदय में ले तुम चले जाओगे। हम तुमसे रुकने के लिए आग्रह करेंगे, मगर तुम नहीं मानोगे और एक अच्छे अतिथि की तरह चले जाओगे। पर ऐसा नहीं हुआ!

(i) **(घ)** लेखक का बजट गड़बड़ाने वाला था
व्याख्या: लेखक का बजट गड़बड़ाने वाला था

(ii) **(घ)** अपनी हैसियत से बढ़कर अच्छे-अच्छे व्यंजन बनाकर
व्याख्या: अपनी हैसियत से बढ़कर अच्छे-अच्छे व्यंजन बनाकर

(iii) **(ख)** लेखक ने सोचा कि अगले दिन अतिथि वापस चला जाएगा।
व्याख्या: लेखक ने सोचा कि अगले दिन अतिथि वापस चला जाएगा।

(iv) **(क)** अतिथि का सम्मान करने के लिए
व्याख्या: अतिथि का सम्मान करने के लिए

(v) **(घ)** अतिथि नहीं मानेगा और चला जाएगा
व्याख्या: अतिथि नहीं मानेगा और चला जाएगा

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

(i) **(ग)** अहमदाबाद से
व्याख्या: यंग इंडिया के साथ -साथ नवजीवन अहमदाबाद से निकलते थे। ये दोनों ही साप्ताहिक पत्र थे।

(ii) **(घ)** 16 मई प्रातः 8 बजे
व्याख्या: बछेंद्री व उनका दल 16 मई को प्रातः 8:00 बजे कैंप 2 पर पहुंच गया था।

खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:

(i) हिमस्खलन की वजह से शेरपा कुलियों के दल में से एक की मौत हुई और चार लोग घायल हो गए थे।

(ii) लड़के को बचाने के लिए बुढ़िया जो कुछ वह कर सकती थी उसने वह सब सभी उपाय किए। वह पागल सी हो गई। झाड़-फूँक करवाने के लिए ओझा को बुला लाई, साँप का विष निकल जाए इसके लिए नाग देवता की भी पूजा की, घर में जितना आटा अनाज था वह दान दक्षिणा में

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ओझा को दे दिया परन्तु दुर्भाग्य से लड़के को नहीं बचा पाई।माँ, बहू और बच्चे 'भगवाना' से लिपट-लिपटकर रोए, पर भगवाना जो एक दफे चुप हुआ तो फिर न बोला। सर्प के विष से उसका सब बदन काला पड़ गया था।

(iii) 13 अप्रैल 1919 में जलियाँवाला बाग हत्याकांड हुआ। अंग्रेज़ों ने आजादी के लिए चल रहे आंदोलन को रोकने के लिए इस घटना को अंजाम दिया था। उस दिन करीब 20 हजार लोग बाग में जमा थे। अंग्रेज़ों ने बेगुनाह लोगों पर अंधाधुंध गोलियाँ बरसाईं और इस नरसंहार में 370 लोग मारे गए।

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:

(i) एक काम को साधने से सब काम वैसे ही सँवर जाते हैं जैसे जड़ में पानी देने से फूल, पत्ती, पूर्ण पेड़ का विकास होता है। एक ही परमात्मा के साधने से अन्य सारे काम स्वयं ही सध जाते हैं। वही तो सबका मूल है। जड़ (मूल) सींचने से फल-फूल स्वयं ही (वृक्ष) लहलहा उठते हैं। उसी प्रकार परमात्मा को साधने से सभी काम सध जाते हैं और पूरे हो जाते हैं।

(ii) कवि ने दूसरे पद में गरीब निवाजु भागवान (ईश्वर) को कहा है। ईश्वर की कृपा से इंसान को मोक्ष की प्राप्ति हो जाती है। इतना ही नहीं, नीच से नीच व्यक्ति पर भी अगर ईश्वर की कृपा हो जाए तो उसका भी निश्चित ही उद्धार हो जाता है। संसार में जिन लोगों को छुआछूत या अस्पृश्यता की दृष्टि से देखा जाता है, प्रभु उन पर भी द्रवित होते हैं। दुखियों पर दया करने वाले प्रभु नीच को भी ऊँची पदवी प्रदान करते हैं। इसीलिए प्रभु को पतित-पवन, भक्त-वत्सल, दीनानाथ कहा जाता हैं।

(iii) कवि ने 'अग्निपथ' जीवन की कठिनाई से पूर्ण मार्ग के लिए प्रयुक्त किया है। वह मानता है कि जीवन में पग-पग पर संकट हैं, चुनौतियाँ और कष्ट हैं। इस प्रकार यह जीवन संघर्षपूर्ण है।

15. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 2 के उत्तर दीजिये:

(i) 'गिल्लू' नामक गिलहरी एक संवेदनशील प्राणी है। स्वस्थ होते ही उसने महादेवी की संवेदना को समझ लिया था इसलिए सबसे पहले उसने अपने पंजों से महादेवी की उँगली को थामकर धन्यवाद प्रकट किया। फिर वह अपनी भिन्न-भिन्न क्रीड़ाओं में महादेवी जी को सम्मिलित करने की कोशिश करता। कभी सर्र से परदे पर चढ़ जाता कभी उतर जाता। उसने भोजन के लिए थाली के पास बैठना सीख लिया। गिल्लू की संवेदनशीलता का परिचय दो घटनाओं से मिलता है। जब महादेवी जी बीमार होकर अस्पताल में रहीं तो उसने अपना प्रिय भोजन काजू खाना छोड़ दिया। दूसरा जब महादेवी जी घर में अस्वस्थ अवस्था में लेटी रहती थीं तो वह उनके सिरहाने बैठा रहता। वह कुशल परिचारिका की तरह अपने नन्हे-नन्हे पंजों से महादेवी का सिर और बाल सहलाता रहता था।

(ii) मनुष्य तो कर्म करता है, पर उसे फल देने का काम ईश्वर करता है। मनचाहे फल को पाना मनुष्य के बस की बात नहीं है। यह तो उस शक्ति पर ही निर्भर करता है जो फल देती है। इस पाठ के लेखक ने कुएँ से चिट्ठियाँ निकालने के तरह-तरह के अनुमान लगाए, योजनाएँ बनायीं और उसमे फेर-बदल भी करना पड़ा, अंततः उसे सफलता मिली। गीता में भी कर्म के महत्व को दर्शाया गया है-' कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन्'। अर्थात् कर्म करते वक्त फल की चिंता नहीं करनी चाहिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iii)लेखक के पिता ने उससे कहा था कि वायदा करो कि पाठ्यक्रम की पुस्तकें भी इतने ध्यान से पढ़ोगे, माँ की चिंता मिटाओगे। लेखक ने जी-तोड़ परिश्रम किया इसलिए तीसरी और चौथी कक्षा में अच्छे अंक आए, परंतु पाँचवीं कक्षा में वह फर्स्ट आ गया। यह देख उसकी माँ ने उसे गले लगा लिया। इस तरह लेखक ने अपने पिता से किया हुआ वायदा निभाया।
इससे हमें निम्नलिखित सीख मिलती है-

- मन लगाकर पढ़ाई करना चाहिए।
- माता-पिता का कहना मानना चाहिए।
- हमें दूसरों से किया हुआ वायदा निभाना चाहिए।

16. **आज की बचत कल का सुख**

वर्तमान आय का वह हिस्सा, जो तत्काल व्यय (खर्च) नहीं किया गया और भविष्य के लिए सुरक्षित कर लिया गया 'बचत' कहलाता है। पैसा सब कुछ नहीं रहा, परंतु इसकी ज़रूरत हमेशा सबको रहती है। आज हर तरफ़ पैसों का बोलबाला है, क्योंकि पैसों के बिना कुछ भी नहीं। आज जिंदगी और परिवार चलाने के लिए पैसे की ही अहम भूमिका होती है। आज के समय में पैसा कमाना जितना मुश्किल है, उससे कहीं अधिक कठिन है। पैसे को अपने भविष्य के लिए सुरक्षित बचाकर रखना, क्योंकि अनाप-शनाप खर्च और बढ़ती महँगाई के अनुपात में कमाई के स्रोतों में कमी होती जा रही है, इसलिए हमारी आज की बचत ही कल हमारे भविष्य को सुखी और समृद्ध बना सकने में अहम भूमिका निभाएगी।
जीवन में अनेक बार ऐसे अवसर आ जाते हैं, जैसे आकस्मिक दुर्घटनाएँ हो जाती हैं, रोग या अन्य शारीरिक पीड़ाएँ घेर लेती हैं, तब हमें पैसों की बहुत आवश्यकता होती है। यदि पहले से बचत न की गई तो विपत्ति के समय हमें दूसरों के आगे हाथ फैलाने पड़ सकते हैं।
हमारी आज की छोटी-छोटी बचत या धन निवेश ही हमें भविष्य में आने वाले तमाम खर्चे का मुफ़्त समाधान कर देती हैं। आज की थोड़ी-सी समझदारी आने वाले भविष्य को सुखद बना सकती है। बचत करना एक अच्छी आदत है, जो हमारे वर्तमान के साथ-साथ भविष्य के लिए भी लाभदायक सिद्ध होती है। किसी ज़रूरत या आकस्मिक समस्या के आ जाने पर बचाया गया पैसा ही हमारे काम आता है। संक्षेप में कह सकते। हैं कि बचत करके हम अपने भविष्य को सँवार सकते हैं।

अथवा

अपनी मातृभाषा

मातृभाषा वह भाषा है जो मनुष्य बचपन से मृत्यु तक बोलता है घर परिवार में बोली जाने वाली भाषा ही हमारी मातृभाषा है। भाषा संप्रेषण का एक माध्यम होती है जिसके द्वारा हम अपने विचारों का आदान प्रदान करते है और अपनी मन की बात दूसरों के समक्ष रखते है। जो शब्द रूप में सिर्फ अभिव्यक्त ही नहीं बल्कि भाव भी स्पष्ट करती है। एक नन्हा सा बालक अपनी मुख से वही भाषा बोलता है जो उसके घर परिवार में बड़े लोग बोलते है। इस भाषा का प्रयोग करके वह अपने विचारों को अपने माता पिता को अपनी मुख से उच्चारण कर बताता है।
हमे अपनी मातृभाषा को कभी भी नही भुलाना चाहिए। जिस तरह से एक गाय का दूध माँ का दूध नही हो सकता और न ही माँ का दूध गाय का दूध हो सकता है। हमारी मातृभाषा हमारी अपनी भाषा है जिसको सदैव याद रखना कि किस तरह से गांधीजी ने विदेशी भाषा का विरोध किया था। गांधीजी ने कहा था कि यदि हमारा स्वराज अंग्रेजी की तरफ जाता है तो हमे अपनी राष्ट्र भाषा को

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अंग्रेजी कर देना चाहिए, यदि हमारा स्वराज हिंदी की तरफ जाता है तो हमे अपनी राष्ट्र भाषा को हिंदी कर देना चाहिए। इस बात कि परिवर्तित स्थितियों ने भाषा पर बहस को जन्म दिया है। जीवन में आधुनिकता के प्रवेश ने कई क्षेत्रों के स्वरूपों को प्रभावित करने का कार्य किया है। इसी क्रम में आधुनिकता मातृभाषा को मात्र भाषा बनाने की दिशा में कोई कसर शेष नहीं रखना चाहती। किंतु इन सबके बाद भी हमारी मातृभाषा के महत्व पर कोई आँच नहीं आई है।

मातृभाषा के प्रति महात्मा गांधी कहते थे कि हृदय की कोई भी भाषा नहीं है हृदय हृदय से बातचीत करता है और हिंदी ह्रदय की भाषा है यह पूर्णता सत्य है। हिंदी में वह क्षमता है जो आँखों से बहते आँसू धारा का वर्णन इस रूप में करती है कि उसे पढ़ने वाले पाठक को आँसू बहा रहे व्यक्ति की मन स्थिति का बोध हो जाता है। क्या किसी अन्य भाषा के भाव हृदय तल तक महसूस किए जा सकते हैं?

अथवा

गाँवों की बदलती तस्वीर

गाँवों में बदलाव आ रहा हे। वे तरक्की की राह पर आगे बढ़ रहे हैं। लग्जरी और महंगी गाड़ियाँ, आलीशान मकान गाँवों की शोभा बढ़ा रहे हैं। हर घर में टेलीविजन पहुँच रहा है। महंगे मोबाइल फोन गाँवों के लोगों के हाथों में देखे जा सकते हैं। चूल्हे की जगह गैस और गोबर गैस ले रही हैं। कुछ साल पहले तक शहरों के बड़े घरों में लगने वाली फाल सिलिंग अब गाँव के लोग भी लगवाने लगे हैं। किसी ने सच ही तो कहा है कि गाँवों की तरक्की से ही देश की तरक्की मुमकिन है और शहरी चमकदमक वक्त के साथ अब गाँवों में भी देखने को मिल रही है। बैलगाड़ी व ऊंटगाड़ी को अब ट्रैक्टरट्रैलियों ने पीछे छोड़ दिया है। गाँव के पास ही कारखाना लगने से कई नौजवानों को इस में कामधंधा मिला है। इस से लोगों के घरों में पैसा आने लगा, जिस से गाँव वाले अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा बच्चों की पढ़ाई-लिखाई पर खर्च करते हैं। इस से देखते ही देखते गाँव की सूरत बदल गई है पिछले 20 सालों से देश में आई संचार क्रांति के साथ ही मौडर्न खेतीबारी ने गाँव की जिंदगी की तस्वीर ही बदल कर रख दी है।

पहले के जो गाँव थे वह गाँव शिक्षा के छेत्र में पिछड़े हुए थे लेकिन अब लगभग सभी गाँवों में स्कूल खुल चुके हैं और गाँव के लोगों को आसानी से शिक्षा प्राप्त हो रही है । पहले जब गाँव के बच्चो को पढ़ाना होता था तो उनको शहर पढ़ने के लिए भेजा जाता था। लेकिन अब सभी गाँव मैं ही स्कूल खुल गए हैं जहां पर सभी बच्चे पढ़ सकते हैं, बच्चों के साथ साथ गाँव के लोगो को भी प्रौढ़ शिक्षा दी जाती हैं जिससे गाँव का किसान शिक्षित होगा । पुराने जमाने में शहर के लोग ही सफलता प्राप्त करते थे लेकिन आज के जमाने में गाँव के सभी लोग सफलता की ओर बढ़ रहे हैं । गाँव के बच्चे गाँव में पढ़ाई कर शहर में ग्रेजुएशन करने के बाद सरकारी नौकरी की तैयारी कर नौकरियां करने लगे हैं जिससे किसान का विकास हो रहा है। खेती के साथ साथ रोजगार भी मिल रहा है । शहरों के साथ साथ हमारे देश के गाँव का भी विकास हुआ है और गाँव के किसान अपनी जिंदगी खुशी से जी रहे हैं। हमारे देश को समृद्धशाली देश बनाने के लिए हमें हमारे गाँव के किसानों को समृद्धशाली बनाना होगा जिससे हमारा देश विकासशील देश बन सकेगा । वास्तव मे गाँव का स्वरूप तेजी से बदल रहा हैं।

17. पी-25, सिविल लाइन्स
दिल्ली
दिनांक: 17 जनवरी, 2019

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

पूज्यनीय मौसाजी
सादर चरण स्पर्श
अभी-अभी टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले समाचारों में सुना कि आप अपने क्षेत्र में भारी बहुमत से विधानसभा के लिए चुन लिए गए हैं। आपके विधानसभा सदस्य चुने जाने पर परिवार के सभी सदस्य स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। मेरे सहपाठियों ने भी मुझे दूरभाष पर बधाई संदेश दिया है। मेरी ओर से आपको ढेर सारी बधाई एवं शुभकामनाएँ।
चुनाव प्रजातंत्र की महत्त्वपूर्ण क्रिया है जिसके माध्यम से जनता योग्य उम्मीदवारों का चुन कर अपना प्रतिनिधि चुनती है | वे प्रतिनिधि ही जनता की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करने के साथ समस्त सुख-सुविधाओं का ध्यान रखने के साथ प्रगति का रास्ता भी निकालती है। इसीलिए इन प्रतिनिधियों की ज़िम्मेदारी बहुत बढ़ जाती है क्योंकि उनके साथ जनता की उम्मीद और सपने जुड़ जाते हैं।
आपके विधायक बन जाने पर आप पर एक बहुत बड़ा उत्तरदायित्व आ गया है। आपके निर्वाचन-क्षेत्र के मतदाता आपसे बहुत आशा लगाए बैठे हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप उनकी अपेक्षाओं में न केवल खरे उतरेंगे बल्कि जनसेवा का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करेंगे।
आपका बेटा
विनोद

अथवा

बी-275/4,
राजेन्द्र नगर,
पटना (बिहार)।
दिनांक ....
प्रिय अनुज अभिषेक,
सस्नेह आशीर्वाद।
कल ही मुझे तुम्हारे विद्यालय के प्राचार्य जी का पत्र मिला। जिससे तुम्हें परीक्षा में नकल करते पकड़े जाने पर दंडित किए जाने का खेदपूर्ण समाचार मिला।
प्रिय भाई! मुझे ऐसा लगता है कि या तो छात्रावास में तुम्हारी संगति उचित नहीं है, या तुमने परीक्षा की तैयारी अच्छी तरह नहीं की थी, जिस कारण तुम्हारे मन में ऐसा करने का विचार आया। निरंतर परिश्रम और अभ्यास से ही कार्य में सफलता मिलती है।
आदरणीय माता जी भी इस घटना से बहुत दुःखी हैं। भविष्य में तुम मन लगाकर अध्ययन करना और वार्षिक परीक्षा में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होना। मुझे विश्वास है कि तुम भविष्य में इस प्रकार की गलती नहीं दोहराओगे।
तुम्हारा अग्रज,
गिरीश

18. यह दृश्य एक नदी का है। नाव नदी किनारे खड़ी है। नदी को पार करने के लिए नाव की आवश्यकता होती है तथा नदी का जल तीव्र गति से बह रहा है। कुछ लोग नाव पर सवार है तथा कुछ नीचे। जो लोग खड़े हैं पार जाने के लिए नाव पर सवार होना चाहते हैं। वे मल्लाह से पूछ रहे हैं कि नदी पार कराने के लिए कितने रुपए लेते हो। मल्लाह से मोल-तोल चल रहा है। वह नाव के

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

द्वारा अपना जरूरी वस्तुएँ एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जा रहे है। नदी को तैरकर पार करना खतनाक हो सकता है। एक नाव से कुछ ही लोग उस पार जा पा रहे हैं।

19. राहुल - मित्र! गर्मियों की छुट्टियाँ होने वाली हैं और दिल्ली की गर्मी झेलना मुश्किल होता जा रहा है।

मोहित - बात तो तुमने ठीक कही है, पर इतने रूपये कहाँ से आएँगे कि पर्वतीय यात्रा का आनंद उठाया जा सके?

राहुल - तुम चिंता मत करो। मैंने शिमला में एक होटल में बुकिंग करवा रखी है। वहाँ दस दिन के लिए हमें कमरा मिल जाएगा।

मोहित - वहाँ हम खूब मस्ती करेंगे, सैर-सपाटा करेंगे। कुछ रुपयों का प्रबंध तो मैं भी कर लूँगा।

राहुल - हम कम खर्च में गुज़ारा कर लेंगे। हमारा मतलब तो घूमना-फिरना है।

मोहित - तो ठीक है, खाना हम बाहर से खा लेंगे। होटल वाले तो वैट लगा देते हैं तो महँगा भी देते हैं।

राहुल - तो फिर तय रहा। हम शिमला चलेंगे, मैं दस तारीख की टिकटें बुक करवा दूँगा।

अथवा

ग्राहक - सेठ जी! चीनी है क्या?

दुकानदार - हाँ, है।

ग्राहक - चीनी साफ़ होनी चाहिए। पिछली बार वाली चीनी साफ़ नही थी।

दुकानदार - भाई साहब! खुली चीनी थोड़ी सी पीली है।

ग्राहक - तो फिर कौन-सी चीनी अच्छी है?

दुकानदार - उत्तम चीनी पैकेट में आई है। इस पर एगमार्क का चिह्न भी है।

ग्राहक - यह चीनी महँगी होगी।

दुकानदार - अब सामान्य चीनी से तो थोड़ी महँगी ही है। पर हाँ एक-एक किलो के पैकेट में आई है।

ग्राहक - सेठ जी! जरा भाव तो बताओ। अब सेहत के साथ खिलवाड़ तो कर नहीं सकते।

दुकानदार - आपका कहना बिलकुल सही है और वैसे भी आप तो हमारे नियमित ग्राहक हैं। इसलिए आपको पैंतालिस रुपये किलो लगेगी।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in